जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 168 प्रभात जालोर, रविवार 24 सितम्बर, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रु.

'अगर अमेरिका को दो दोस्तों में से एक को चुनना पड़ा तो हम भारत को चुनेंगे'

इन्टैलिजैंस प्रोफेशनल एवं पूर्व पैन्टागन अधिकारी माइक रूबिन ने यह दावा करते हुए कहा कि, जस्टिन ट्रूडो ने भारी गलती कर दी है

- रूबिन ने कहा कि, कैनडा के प्रधानमंत्री ने ऐसे आरोप लगाए हैं, जिन्हें वे साबित नहीं कर सकते हैं।
- रूबिन ने कहा कि, अमेरिका की सुरक्षा कम्युनिटी और कैनडा का भी एक वर्ग मानता है कि, ट्रूडो हद से आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि, पांच देशों के इन्टैलिजैंस शेयरिंग एग्रीमैंट ''फाइव आइज़'' के तहत भारतीय डिप्लोमैट्स की स्नूपिंग करना और फोन वार्ता के आधार पर ऐसा आरोप लगाना सही नहीं है।
- रूबिन ने कहा कि, उल्टे ट्रूडो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि, वह निज्झर जैसे आतंकवादी को क्यों पनाह दिए हुए थी।
- ट्रूडो ने फाइव आइज़ के सदस्य देशों से भारत की आलोचना करने की अपील की है, पर अभी तक किसी ने भी ऐसा नहीं किया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने लगातार यह दावा किया है कि उनके पास आतंकवादी हरदीप सिंह निज्झर कथित की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का ''विश्वसनीय साक्ष्य'' है, लेकिन निज्झर की मौत और भारत सरकार के बीच के किसी संबंध को लेकर ट्रूडो ने कोई पुख्ता सबूत अब तक उपलब्ध नहीं करवाए हैं।

तथापि, इस विवाद के दौरान सामने आए कुछ रहस्योद्घाटन यह संदेह अवश्य पैदा कर रहे है कि इन्टैलीजैंस शेयरिंग के ''फाइव आईज़'' समझौते के तहत भारतीय राजनयिकों पर नज़र रखी जा रही थी। कई देशों की गुप्तचर एसेंसियां भारतीय राजनयिकों पर इलैक्ट्रॉनिक निगरानी रख रही थीं। अमेरिका ने इस बात की पुष्टि की है कि पांच देशों के ''स्पाई नैटवर्क'' के बीच इन्टैलीजैंस शेयरिंग थीं। कैनडा में अमेरिका के राजदूत ने भी इन्टैलीजैंस शेयरिंग की पुष्टि की है।

गुप्तचर पेशेवर एवं पैंटागन के पूर्व अधिकारी माइक रूबिन, जो कि अब अमेरिका की दक्षिणपंथी संस्था अमेरिकन एंटरप्राइज़ेज इंस्टीट्यूट के साथ हैं, ने आज यह कहकर ट्रूडो की आलोचना की कि वह अपनी हद से ज्यादा आगे निकल गए हैं।

रूबिन का यह कहना है कि आपसी बातचीत की जासूसी जैसी गुप्तचर जानकारियां प्राय: पुख्ता नहीं होती हैं और इनकी सटीक व्याख्या नहीं की जा सकती। ये बातचीत इस संदेह को जन्म देती है कि अधिकारियों के बीच कुछ साधारण बातें हुईं जिन्हें शायद सरकार की कार्रवाई के बतौर देखा गया।

रूबिन के एक वीडियो साक्षात्कार में कहा है कि ''मैं समझता हूं, प्रधानमंत्री ट्रूडो ने एक भारी ग़लती की है। उन्होंने कुछ इस तरह से आरोप लगाए हैं कि वह उन्हें साबित नहीं कर पाए हैं। वह शायद बिना विचारे ही अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे और सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए उनके पास कोई साक्ष्य भी नहीं है।

माइक रूबिन ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा कि कैनडा की गुप्तचर एजेंसी के कुछ लोगों के साथ ही अमेरिका की ''सिक्योरिटी कम्युनिटी'' का मानना है कि जस्टिन ट्रूडो अपनी हद से काफी आगे निकल गए हैं और यदि अमेरिका को दो मित्रों के बीच में से एक का चयन करना हा तो ''हम भारत को चुनेंगे क्योंकि उसके साथ हमारा संबंध काफी महत्वपूर्ण है।''

माइक रूबिन ने हालांकि स्पष्ट रूप से यह माना कि कैनडा और भारत के बीच की लड़ाई एक चींटी और हाथी के बची जैसी है। भारत सामरिक रूप से इतना महत्वपूर्ण है कि उसे अलग नहीं किया जा सकता। निज्झर किसी भी सूरत

(शेष पृष्ठ 7 पर)

प्र.मंत्री 9 वंदे भारत रेलें शुरू करेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। प्रधानमंत्री मोदी वंदे भारत एक्सप्रैस की नौ ट्रेन्स को रविवार को हरी झण्डी दिखाएंगे। इस ट्रेन्स को शुरु करने का उद्देश्य 11 राज्यों में कनैक्टिविटी

- इनमें से एक उदयपुर से जयपुर के बीच चलाई जाएगी।

बढ़ाना और यहां के रूट्स पर सबसे तेज गति की ट्रेन्स चलाना है, ताकि यात्रियों के समय की बचत हो सके।

ये ट्रेन्स पुरी, मदुरै और तिरुपति जैसे धार्मिक स्थलों के लिए कनैक्टिविटी उपलब्ध करवाएंगी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

दिल्ली में भारी बारिश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। देश की राजधानी में शनिवार दोपहर आंधी और तूफान के साथ भारी बारिश हुई और कई

- तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश ने दिल्ली वालों को उमस और गर्मी से राहत दी।

जगहों पर पानी भर गया। यद्यपि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 3 डिग्री अधिक था। दिल्ली

(शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रोटोकॉल भूले डोटासरा, राहुल गांधी से पहले भाषण के लिए खड़गे को बुलाया

राहुल गांधी ने बात संभाली, उन्होंने वेणुगोपाल को बुलाकर समझाया और फिर खड़गे से पहले भाषण देने आए

- राहुल गांधी ने वेणुगोपाल से कह कर सचिन पायलट को भाषण देने के लिए बुलवाया।
- सभा के दौरान भारी अव्यवस्था और तालमेल का अभाव नज़र आया, किसी को नहीं पता था कि, कब किसका भाषण होना है।
- हरीश चौधरी, मोहन प्रकाश व डॉ. सी.पी. जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं के भाषण नहीं हो सके।
- सभा स्थल पर पानी तक की व्यवस्था नहीं थी, कई नेता और वी.आई.पी. पानी के लिए इशारा करते देखे गए।

जयपुर 23 सितंबर (का.प्र.)। मानसरोवर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की सभा में नेताओं के बीच सामंजस्य की कमी नज़र आई। वहीं, मंच से संबोधन के मामले में भी गफलत हुई और इसका असर यह हुआ कि राहुल गांधी को संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को अपने पास बुलाकर समझाना पड़ा।

सबसे बड़ी सामंजस्य की कमी तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा में नजर आई, उन्होंने बिना प्रोटोकॉल का पालन किए राहुल गांधी से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम संबोधन के लिए ले लिया और यह भी नहीं देखा कि, पोडियम पर राहुल गांधी खुद आ चुके हैं। इस पर राहुल गांधी वापस जाकर बैठ गए और खड़गे खड़े हो गए। लेकिन, फिर प्रोटोकॉल को देखते हुए खुद राहुल गांधी ने बात संभाली और अध्यक्ष से पहले भाषण देने आए।

मंच की समस्या यहीं तक सीमित नहीं थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जब अपनी बात कह रहे थे इस दौरान राहुल गांधी ने संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को अपने पास बुलाया और जानना चाहा कि, अब किसका संबोधन होना है। इस पर वेणुगोपाल अपने पास बैठे प्रभारी सुखजिंदर रंधावा से कुछ कहते नज़र आए और उसके बाद सुखजिंदर रंधावा ने सह प्रभारी अमृता धवन को बुलाकर कुछ कहा। इस दौरान नेता कई बार इस कुर्सी से उसे कुर्सी तक आते-जाते रहे। इससे ऐसा लग रहा था कि, संबोधन के क्रम में कहीं ना कहीं कोई गड़बड़ जरूर है। इसके बाद इशारा करके राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल से कुछ कहा और उन्होंने इशारा करके सचिन पायलट को संबोधन के लिए बुलवाया। सचिन पायलट के बाद भंवर जितेंद्र सिंह और आदिवासी नेता महेंद्रजीत मालवीया का संबोधन करवाया गया। जबकि हरीश चौधरी, मोहन प्रकाश और डॉ सीपी जोशी सहित अन्य वरिष्ठ सदस्यों का संबोधन नहीं हुआ।

इतना ही नहीं, सभा के दौरान अव्यवस्थाएं भी बहुत ज्यादा थीं। भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए कहीं भी पानी की व्यवस्था नहीं की गई थी। सुबह 10 बजे से आए मीडिया कर्मियों को दोपहर 2:30 बजे तक जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ा, और कई बार कहने के बावजूद पानी उपलब्ध नहीं हुआ। सिर्फ मीडिया कर्मी ही परेशान नज़र नहीं थे, फ्रंट सीटों पर बैठे

(शेष पृष्ठ 7 पर)

वसंधुरा राजे ने अपने निवास पर रक्षा सूत्र कार्यक्रम आयोजित किया

भाजपा महिला मोर्चा के नारी शक्ति वंदन बिल के आभार जताने के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई राजे

- राजे ने भाजपा के अधिकृत कार्यक्रमों से दूरी बना रखी है, जो राजनैतिक हलकों में चर्चा का बिषय बनी हुई है।
- राजे शुरू में तो परिवर्तन यात्रा में शामिल हुई थीं, पर अब वे कहीं भी सभा को संबोधित करने नहीं जा रही हैं।

जयपुर, 23 सितम्बर (कासं)। ''नारी शक्ति वंदन'' अधिनियम पारित होने पर भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी के साथ दिल्ली में संसद भवन जाकर केंद्रीय मंत्रियों से मिलकर इस बिल पर धन्यवाद दिया।

शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में महिला मोर्चा की ओर से आतिशबाजी के साथ उत्सव मनाया गया। इन दोनों कार्यक्रमों से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपनी दूरी बनाई लेकिन शनिवार को उनके निवास स्थान पर रक्षासूत्र (राखी) कार्यक्रम हुआ, जिसमें काफी महिलाओं को बुलाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में आज काफी चर्चा रही। पूर्व मुख्यमंत्री राजे परिवर्तन यात्रा में तो शामिल हुईं लेकिन बाद में अन्य किसी भी जगह पर सभा को संबोधित करने नहीं पहुंचीं। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं।

रक्षासूत्र कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कहा कि, महाभारत में कृष्ण की उँगली कट गई तो द्रौपदी ने साड़ी फाड़कर कृष्ण की उँगली पर बांधी। कृष्ण ने कौरवों से द्रौपदी की रक्षा की। मैं भी कृष्ण की प्रेरणा से आपकी सेवा करूँगी और हर राजस्थानी के हक़ के लिए लड़ती रहूँगी।

कार्यक्रम में वसुन्धरा राजे ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए पी.एम. नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आरक्षण के लिए 2039 तक इंतजार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाटे ने शनिवार को कहा कि महिलाएं, जो भारत की आज़ादी का आधा हिस्सा हैं, आरक्षण के मुद्दे पर स्वयं को ठगा-सा महसूस कर रही हैं।

उन्होंने यहाँ एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में

- कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि, केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर जल्दबाजी में बिल लाकर महिलाओं के साथ धोखा किया है, क्योंकि यह बिल 2039 से पहले लागू होने वाला नहीं है।

कहा कि ''महिला आरक्षण देश की आधी आबादी की राजनैतिक भागीदारी एवं सशक्तीकरण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण माध्यम है।''

उन्होंने कहा, ''महिला आरक्षण

(शेष पृष्ठ 7 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक कान की मशीनें स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

अब इंदिरा गांधी मैमोरियल पर है भाजपा की नज़र

इससे पहले भाजपा सरकार नेहरू मैमोरियल म्यूज़ियम का नाम बदलकर ''मैमोरियल फॉर ऑल प्राइम मिनिस्टर्स'' कर चुकी है

- केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने मांग की है कि, 1, सफदर जंग रोड, बंगला सरकार को लौटाया जाए।
- 1, सफदर जंग रोड, बंगला स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का आवास था, जिसे उनकी मृत्यु के बाद इंदिरा गांधी मैमोरियल बना दिया गया था।
- अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार ने प्रस्ताव पारित किया था कि, भविष्य में किसी भी सरकारी बंगले को राजनेताओं का म्यूज़ियम या स्मारक नहीं बनाया जा सकेगा।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। नेहरू मैमोरियल म्यूज़ियम एण्ड लाइब्रेरी सोसायटी का नाम बदलकर, उसे ''मैमोरियल फॉर ऑल प्राइम मिनिस्टर्स'' नाम दिये जाने के बाद, भाजपा की नज़र अब 1, सफदरजंग रोड को वापस लेने पर टिकी है, जो इस समय स्व. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के स्मारक के रूप में उनकी स्मृतियों को संजोये हुए है।

सरकारी बंगलों को राजनेता के स्मारकों का रूप देना समस्या मूलक मुद्दा है। तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों-जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री-के स्मारक अस्तित्व में थे जिनमें से नेहरू के स्मारक को वापस लिया जा चुका है। मनमोहन सिंह के यू.पी.ए. के प्रधानमंत्री के रूप में दूसरे कार्यकाल में, तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने अपने निवास को अपने पिता बाबू जगजीवन राम के स्मारक का रूप दे दिया था। वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही, स्व. अजीत सिंह ने अपने 12, तुगलक रोड निवास को अपने पिता तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के स्मारक का रूप देने की जबरदस्त किन्तु असफल कोशिश की थी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री

(शेष पृष्ठ 7 पर)